# डी०पी०ओ० एवं सी०डी०पी०ओ० लीडरशिप डेव्लपमेंट कोर्स

ट्रेनिंग ऑफ ट्रैनर

# कक्षा-कक्ष प्रबंधन

ihat UP-TSU pci INDIA Vikramshila unicef for every child

# प्री-स्कूल में कक्षा प्रबंधन

**कक्षा प्रबंधन क्या है?**

- कक्षा-कक्ष और संसाधनों का प्रबंधन
- बच्चों का समूहीकरण
- सुरक्षित और उत्साहवर्धक सीखने के वातावरण का निर्माण करना

# बच्चों का समूहीकरण

## प्री-स्कूल में बच्चों का समूहीकरण क्यों महत्वपूर्ण है?

- विभिन्न आयु-समूहों के बच्चे अलग-अलग विशेषताएं और व्यवहार पैटर्न प्रदर्शित करते हैं| विभिन्न -आयु वर्ग की कक्षाओं के लिए समूहीकरण एक प्रभावी कक्षा प्रबंधन रणनीति है
- बच्चों के विभिन्न आयु समूहों की विकासात्मक उपलब्धियाँ और ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं
- प्रत्येक आयु समूह को आयु-विशिष्ट हस्तक्षेप और गतिविधियों की आवश्यकता होती है

छोटे बच्चे अक्सर अकेले खेलना पसंद करते हैं। उन्हें खिलौनों पर स्वामित्व पसंद होता है और वे दूसरों के साथ साझा करने और सहयोग करने की सीमित इच्छा प्रदर्शित करते हैं।

बड़े बच्चे दूसरों के साथ साझा करने, सहयोग करने और बातचीत करने के उच्च कौशल प्रदर्शित करते हैं।

उम्र के अनुसार उपयुक्त गतिविधियों से बच्चों की अवधारणाओं की समझ विकसित होती है| जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उन्हें अधिक जटिल कार्यों में शामिल होने की आवश्यकता होती है|

# बच्चों का समूहीकरण

- प्री स्कूल में बच्चे तब अच्छी तरह सीखते हैं जब उन्हें विभिन्न सामाजिक-संपर्क की स्थितियों में खेलने और सीखने का मौका मिलता है।

**बड़े समूह की खेल गतिविधियाँ:**

शिक्षक जो पूरी कक्षा को एक साथ शामिल करता है वह बच्चों में साझा करना, बारी का इंतज़ार करना आदि जैसे सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करता है।

**छोटे समूह की खेल गतिविधियाँ:**

3-5 बच्चे समूह के बच्चों के लिए प्रासंगिक किसी विशिष्ट अवधारणा या कौशल पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

**व्यक्तिगत खेल गतिविधियाँ:**

बच्चा अपने आप खेलता है। अपने आप काम करने की क्षमता से आत्मविश्वास विकसित होता है।

**पहल कैलेंडर इन विभिन्न प्रकार के खेलों के लिए स्थान बनाता है!!**

# पहल के अनुसार बच्चों का समूहीकरण

| दो आयु वर्ग क्यों - 3-5 वर्ष और 5-6 वर्ष | "दूसरे चक्र का समय" में क्यों? (स्वतंत्र खेल + निर्देशित गतिविधियाँ) | "चौथे चक्र का समय" में क्यों(रचनात्मक गतिविधियाँ + FLN गतिविधियाँ + गतिविधि पुस्तक) |
| --- | --- | --- |
| • आँगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा समूहों के प्रबंधन में आसानी। आंगनवाड़ी कार्यकत्री एक समय में केवल एक आयु वर्ग के साथ सक्रिय रूप से जुड़ सकती है।<br>• आँगनवाड़ी केन्द्र में केवल एक ही कक्षा-स्थान उपलब्ध है, जिससे बच्चों को एक से अधिक समूहों में बैठने की सुविधा नहीं मिलती। | • विभिन्न आयु समूहों के लिए निर्देशित गतिविधियाँ या अवधारणा निर्माण की गतिविधियाँ कठिनाई के स्तर में भिन्न होती हैं.<br>• टीएलएम के उपयोग में कठिनाई का स्तर भी विभिन्न आयु समूहों के साथ भिन्न होता है। | • बुनियादी साक्षरता और गणितीय कौशल के लिए गतिविधियों में क्रमिक प्रगति की आवश्यकता होती है।<br>• कठिनाई का स्तर विभिन्न आयु समूहों के अनुसार भिन्न होता है।<br>• 5-6 वर्ष के बच्चों के साथ अक्षर और संख्या पहचान गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। |

# भौतिक स्थान और संसाधनों का प्रबंधन

## कक्षा संसाधनों का सर्वोत्तम प्रबंधन

सीखने के कोने अलग से बनाए गए हैं। पहले से व्यवस्थित टीएलएम और खेल सामग्री भ्रम और अव्यवस्था को कम करने में मदद करती है

खेल सामग्री उचित रूप से लेबल की गई हो तथा बच्चों को आसानी से उपलब्ध हो

बच्चों के अनुकूल फर्नीचर को सोच-समझकर व्यवस्थित किया गया है ताकि आवागमन में आसानी हो और समूह गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान हो

# सुरक्षित और उत्साहवर्धक शिक्षण वातावरण

## मॉर्निंग सर्किल टाइम का प्रभावी उपयोग (प्रथम चक्र का समय)

- **स्वागत की गतिविधि (स्वागत)** पूरे दिन के लिए सकारात्मक माहौल बनाने में मदद करती है, तथा बच्चों को केन्द्र पर बिताये जाने वाले पूरे दिन के आनंदमय होने का आश्वासन देती है।
- **दिन की शुरुआत में नियम पढ़ने** से बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकत्री से व्यवहार संबंधी अपेक्षाएं स्थापित करने में मदद मिलती है और सकारात्मक आदतों को बढ़ावा मिलता है।
- **दैनिक समाचार (ताज़ा खबर)** बच्चों को अपनी पसंद की घटनाओं और कहानियों को साझा करने का अवसर देता है, जिससे उन्हें अपने आंगनवाड़ी केन्द्र में जाने में अधिक सहजता महसूस करने में मदद मिलती है।

# सुरक्षित और उत्साहवर्धक शिक्षण वातावरण

## कक्षा में सकारात्मक सामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ

- **पुरस्कृत करने** जैसा सकारात्मक सुदृढीकरण एकाग्रता को बढ़ावा देता है और सीखने की इच्छा को बढ़ाता है।
- **अच्छे व्यवहार की सराहना** करने से बच्चों में सकारात्मक व्यवहार विकसित होता है और वे दूसरों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।
- संगीत वाद्ययंत्र का उपयोग करना या ताली बजाना जैसी विधियां बच्चों का **ध्यान पुनः केन्द्रित करने** में मदद करती हैं।
- **भावना के कार्ड** कक्षा में भावनाओं को व्यक्त करने के लिए non-disruptive साधनों के प्रदर्शन को बढ़ावा देते हैं।

# क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए

3-5 वर्ष के बच्चों के लिए

| | |
|---|---|
| • निर्देश देने के लिए बच्चे की मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा का उपयोग करें। | • छोटे खिलौनों और उन सामग्रियों से दूर रहें जिनसे निगल लेने या दम घुटने का खतरा हो सकता है। |
| • सरल और स्पष्ट एक- चरण के निर्देश दें जैसे यहां बैठें, कुछ बनाएं, रंगों को छांटें। | • ऐसी गतिविधियों में शामिल न हों जिनमें लंबे समय तक ध्यान देने की आवश्यकता हो। |
| • बड़े मोतियों, बड़े ब्लॉकों, क्रेयॉन जैसी आयु-उपयुक्त सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। | • खेल सामग्री को ऊंची अलमारियों में न रखें। |
| • मौखिक और गैर-मौखिक दोनों तरह की रचनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करें। भूमिका निभाने और कला सामग्री तक पहुँच को प्रोत्साहित करें। | • कक्षा में व्यवधान को रोकने के लिए शिक्षण कोनों में गेंद, डफली, ध्वनि बॉक्स आदि जैसी सामग्री रखने से बचें। |
| • बच्चों से धीमे, स्थिर और शांत स्वर में बातचीत करें। | • उत्कृष्टता  और संरचना पर ज्यादा जोर  न दें। |
| • प्रत्येक बच्चे पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दें। | • बच्चों पर चिल्लाएँ नहीं या उन्हें शोरगुल वाली अराजक गतिविधियों में शामिल न करें। |

# क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए

5-6 वर्ष के बच्चों के लिए

| ✓ | ✗ |
| --- | --- |
| • बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप जटिलता वाली गतिविधियों में शामिल करें, जिससे उच्च स्तर के समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा मिले, जैसे 4 या 5 टुकड़ों वाली पहेली को पूरा करना, दो से अधिक विशेषताओं के आधार पर छंटना आदि। | • बच्चों को बहुत अधिक निर्देश देकर परेशान न करें। |
| • बच्चों को सहयोगात्मक और समूह गतिविधियों में शामिल करें। | • बच्चों द्वारा विवाद समाधान के अवसरों को नज़रअंदाज़ न करें। |
| • किसी गतिविधि या कहानी को चुनने या समूह गतिविधि का नेतृत्व करने में नेतृत्व की भूमिका निभाने की अनुमति दें। | • बच्चों की राय की अवहेलना न करें। |
| • उपयोग के बाद खेल सामग्री को उनके निर्धारित स्थान पर वापस करने की आदत को प्रोत्साहित करके कक्षा को व्यवस्थित रखने की आदत को बढ़ावा दें। | • बच्चों की व्यक्तिगत ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ न करें। |